आज़ादी का अमृत महोत्सव

साप्ताहिक सूचना पत्र

(दिनांक 31.10.2022 से 05.11.2022)

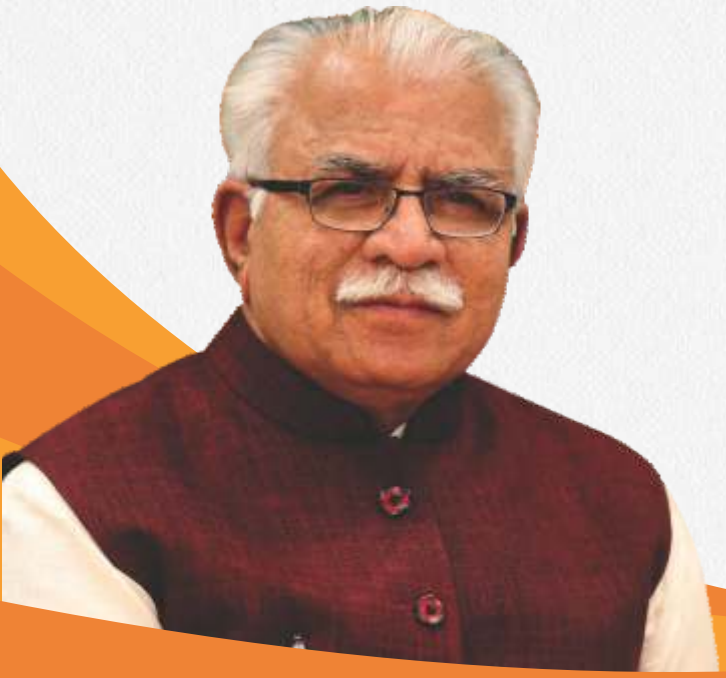

भारतीय जनता पार्टी
हरियाणा

साप्ताहिक सूचना पत्र

राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ समारोह

(दिनांक 31.10.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने सोमवार को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा सिविल सचिवालय राष्ट्रीय में एकता दिवस पर आयोजित शपथ समारोह पर लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को याद करते हुए उन्हें शत–शत् नमन किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज 31 अक्तूबर का दिन देशभर में भारत के पूर्व गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन के रूप में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। सरदार पटेल जी की जयंती पर मुख्यमंत्री जी ने उनके चरणों में पुष्पांजलि अर्पित की और समाज को उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश की युवा पीढ़ी में राष्ट्रीय एकता की भावना पैदा

साप्ताहिक सूचना पत्र

होनी चाहिए, तभी देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ सकता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाई, वहीं आजादी के बाद देश को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। साथ ही उन्होंने कहा कि अंग्रेजों ने भारत को स्वतंत्र तो कर दिया था लेकिन 565 रियासतों को उनकी मर्जी पर छोड़ दिया था।

पटेल ने देश के उपप्रधानमंत्री के साथ–साथ गृहमंत्री का कार्यभार संभाला और अपनी सूझबूझ से 562 रियासतों को भारत के तिरंगे के नीचे विलय करवा दिया तथा अखंड भारत का निर्माण किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने सरदार पटेल की याद में समर्पित 31 अक्तूबर 2013 को 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' की नींव रखकर 31 अक्तूबर 2018 को इसका उद्घाटन किया था। और इसका नाम 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' रखा जहां पर सरदार पटेल की विशाल मूर्ति स्थापित की गई है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता एवं अखंडता की शपथ दिलवाई।

साप्ताहिक सूचना पत्र

सीएम डैशबोर्ड और सी.एम. उपहार पोर्टल लॉच

(दिनांक 31.10.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने आज चंडीगढ़ में सीएम डैशबोर्ड और सीएम उपहार पोर्टल लॉच किया। सीएम डैशबोर्ड पोर्टल से सभी विभागों की वास्तविक विश्लेषण समीक्षा की जा सकेगी तथा सभी मुख्य योजनाओं पर उच्चस्तरीय निर्णयों की जानकारी सीएम डैशबोर्ड पर उपलब्ध करवाई जाएगी। इस डैशबोर्ड पर सभी विभागों की कार्य प्रणाली और योजनाओं की जानकारी माननीय मुख्यमंत्री जी के लिए सभी बड़े व छोटे स्तरों पर उपलब्ध होगी। इससे डेटा के आधार पर पूर्व सूचना मिलना संभव होगा। उल्लेखनीय है कि यह डैशबोर्ड अत्याधुनिक बिजनेस इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर के साथ इन हाउस विकसित किया गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गुड गवर्नेंस में इस पोर्टल का काफी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि पोर्टल के माध्यम से उपहारों की नीलामी से प्राप्त धनराशि को मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से हरियाणा के नागरिकों के कल्याण में लगाया जाएगा।

साप्ताहिक सूचना पत्र

पराली प्रदूषण को दूर करने के लिए व्यापक प्रबंध

(दिनांक 31.10.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पराली जलाने से होने वाला प्रदूषण को दूर करने के लिए हरियाणा सरकार ने व्यापक प्रबंध किए हैं। किसानों में जागरूकता पैदा करने के साथ ही पराली जलाने पर एफ.आइ.आर तथा जुर्माना लगाया गया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में काफी कमी आई है। वर्ष 2022 में अब तक हरियाणा में पराली जलाने की महज 1925 घटनाएं सामने आई हैं। मुख्यमंत्री जी ने पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण पर पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा की जा रही बयानबाजी को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री किसानों को भड़का रहे हैं, उन्हें केंद्र सरकार पर अनर्गल आरोप लगाने की बजाय हरियाणा की तरह किसानों को राहत देकर पराली प्रबंधन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा की तरह पंजाब को भी पराली प्रबंधन के इंतजाम करने चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हरियाणा में पराली न जलाने व पराली के उचित प्रबंधन के लिए धान पर 100 रुपये प्रति क्विंटल या 1000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि का प्रावधान किया गया है।

किसानों को पराली की गांठ बनाने के लिए 50 रुपये प्रति क्विंटल प्रोत्साहन राशि और पराली प्रबंधन के उपकरणों पर सब्सिडी दी जाती है। सरकार ने पराली खरीदने व उद्योगों तक पहुंचाने के लिए नया पोर्टल बनाया है। इस पर पराली खरीदने वाले ठेकेदारों व उद्योगों की जानकारी भी उपलब्ध होगी, जो किसान अपनी पराली बेचना चाहता है वह पोर्टल के माध्यम से सीधा संपर्क कर सकता है। प्रदेश सरकार ने पराली के एमएसपी के लिए कमेटी बनाई है।

पंजाब सरकार को भी किसानों को पराली ना जलाने के लिए हरियाणा की भांति प्रोत्साहित राशि देनी चाहिए ना कि उसे केंद्र सरकार या किसी और पर निर्भर रहना चाहिए।

साप्ताहिक सूचना पत्र

रॉयल हवेली सिरसा में कार्यक्रम का आयोजन

(दिनांक 01.11.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने मंगलवार को महामहिम राज्यपाल उड़ीसा प्रो. गणेशीलाल जी की धर्मपत्नी स्व. सुशीला देवी व समाजसेवी एवं व्यवसायी बृज मोहन सिंगला की धर्मपत्नी स्व. ललिता देवी की स्मृति में सिरसा मे रॉयल हवेली में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पहुंचकर उनकी प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित किए और उन्हे श्रद्धांजलि दी। इससे पूर्व उड़ीसा के महामहिम राज्यपाल व मुख्यमंत्री जी ने रॉयल हवेली के मुख्य द्वार पर स्थापित भगवान जगन्नाथ के रथ के पहियों को नमन करते हुए उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। उड़ीसा के राज्यपाल जी ने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता व सेवा करने से न केवल पुण्य की प्राप्ति होती है, बल्कि हमें आत्मिक सुख भी मिलता है। स्व. सुशीला देवी हमेशा

जरूरतमंदों की भलाई को तत्पर रहती थी। हारे का सहारा ट्रस्ट द्वारा स्व. सुशीला देवी व स्व. ललीता देवी की स्मृति में को जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनें, स्कूली बच्चों को वर्दियां व खिलाडियों को खेल किट भी वितरित की गई ।

मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर कहा कि प्रो. गणेशीलाल जी के साथ उनका काफी पुराना संबंध रहा है। उन्होंने कहा कि स्व. सुशीला देवी की याद में जो भी समाज सेवा के कार्य किए जा रहे हैं, उनसे निरूसंदेह बहुत से लोगों का भला हो रहा है। यदि सामाजिक कार्यों की श्रृंखला निरंतर जारी रही तो उसके परिणाम बहुत ही सराहनीय

रहेंगे और अनेक जरूरतमंद लोगों को भला होगा।

मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर कहा कि आज हरियाणा दिवस है, इसलिए प्रदेश की जनता को हरियाणा दिवस की बहुत–बहुत बधाइयां। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रो. गणेशीलाल कंठ के धनी व्यक्ति हैं। उड़ीसा के उत्कल दिवस पर उन द्वारा उडिया़ भाषा में गाया गाना बहुत ही सराहनीय व मधुर है। इस गीत को अनेक देशों में उडिया़ लोगों द्वारा पसंद किया गया है। इस सब दर्शाता है कि वे हरियाणा के साथ–साथ उड़ीसा के लोगों व उनकी संस्कृति से कितना प्यार करते हैं।

साप्ताहिक सूचना पत्र

हरियाणा से एमबीबीएस पूरा करने के बाद सरकारी सेवा के संबंध में समीक्षा बैठक

(दिनांक 02.11.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने एमबीबीएस पूरा करने के बाद डॉक्टरों को सरकारी सेवा का विकल्प चुनने के लिए प्रोत्साहित करने और राज्य सरकार की नीति के कार्यान्वयन के संबंध में एक समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री जी ने छात्रों को राहत देते हुए निर्णय लिया कि प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के समय अब किसी भी छात्र को कोई बॉन्ड राशि (यानी, लगभग 10 लाख रुपये शुल्क) का भुगतान नहीं करना होगा। इसके बजाय, छात्रों को अब केवल कॉलेज और संबंधित बैंक के साथ राशि के बॉन्ड–कम–ऋण एग्रीमेंट करना होगा।

यदि एमबीबीएस / एमडी पास–आउट छात्र डॉक्टर के रूप में राज्य सरकार की सेवा में शामिल होना चाहते हैं और सात साल की निर्दिष्ट अवधि के लिए काम करते हैं तो राज्य सरकार बॉन्ड राशि का वित्तपोषण करेगी। वहीं जो उम्मीदवार हरियाणा में डॉक्टर के रूप में सरकारी सेवा में शामिल नहीं होना चाहते उन्हें उक्त राशि का भुगतान स्वयं करना होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान प्रदेश में मेडिकल कॉलेज, डेंटल कॉलेज, होम्योपैथिक कॉलेज व नर्सिंग कॉलेज इत्यादि की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2014 में प्रदेश में 7 मेडिकल कॉलेज थे और एमबीबीएस सीटें केवल 700 थी। वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान 6 कॉलेज खोले गए और आज एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़कर 1735 हो गई है।

हम छात्रों का अहित नहीं होने देंगे साथ ही हमारा प्रयास है की लोगो को बेहतर स्वास्थ सुविधाएं मिले और हर व्यक्ति को डॉक्टर उपलब्ध हो सके।

साप्ताहिक सूचना पत्र

रामकृष्ण मिशन विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ वैल्यूज का उद्घाटन

(दिनांक 02.11.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने आज गुरूग्राम पहुँचकर सेक्टर–47 में नव–निर्मित राम कृष्ण मिशन विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ वैल्यूज के हरियाणा प्रदेश के पहले केंद्र का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि संत महात्मा समाज को दिशा देते हैं। उन्होंने युवाओं की तुलना वायु से करते हुए कहा कि जिस प्रकार वायु की कोई दिशा नहीं होती, जिधर दबाव होता है उसी तरफ वायु चली जाती है, उसी प्रकार युवाओं को भी सही दिशा देना जरूरी है, जिसमें संत महात्माओं की महत्वपूर्ण भूमिका है, उन्हें संस्कारित करना जरूरी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के आदर्श हैं। वर्तमान परिवेश में युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों से अवगत कराया

जाए ताकि वे प्रेरित होकर सन्मार्ग पर चलें।

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी भी स्वामी विवेकानंद की सोच को अपनाये हुए हैं और उन्हीं के विचारों को अपनाते हुए देश को एक सूत्र में पिरोने में लगे हैं। एक भारत श्रेष्ठ भारत उनको सोच का केंद्र बिंदु हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हरियाणा की धरती संत महात्माओं की धरती है। वर्तमान राज्य सरकार संत महात्माओं को सम्मान दे रही है, उनके विचारों का प्रसार करने के लिए उनकी जयंती मना रही है।

यहां से भगवान श्रीकृष्ण ने पूरी मानवता को गीता का दिव्य संदेश दिया था। उन्होंने बताया कि गीता के संदेश को प्रसारित करने के लिए कुरुक्षेत्र में अंतराश्ट्रीय गीता महोत्सव मनाया जाता है।

हमारे देश में संस्कारित करने का कार्य पहले किया जाता है व बाद में उसे कौशल शिक्षा प्रदान की जाती है। अगर इन दोनों गुणों का मिश्रण सही हो तो वह व्यक्ति दुनिया के किसी भी कोने में चला जाए वहां अपने कार्यों व विचारों से एक अच्छी छाप ही छोड़ेगा।

मुख्यमंत्री जी ने स्वामी विवेकानंद जी के शिकागो में दिए गए उद्धबोधन का जिक्र करते हुए कहा कि सभा में उनके पहले वाक्य 'माई डियर ब्रदर एंड सिस्टर्स ऑफ अमेरिका' पर काफी देर तक उपस्थित लोगों ने खड़े होकर उनके सम्मान में तालियां बजाई थी

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार भौतिक विकास जैसे कि रेल, सड़क, भवन, स्कूल व अस्पताल के निर्माण का रचनात्मक कार्य करती हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उन्हें खुशी है की आज इस संस्था के 200 केंद्र है,आज हरियाणा में यह पहला केंद्र गुरुग्राम में शुरू हुआ है।

आयोजकों की तरफ से गुरूग्राम के सेक्टर–47 में स्वामी रामकृष्ण मिशन को केंद्र निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध करवाने पर स्वामी शांति आत्मानंद ने मुख्यमंत्री जी का आभार जताया।

साप्ताहिक सूचना पत्र

लॉर्ज स्केल मैपिंग प्रोजेक्ट को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक

(दिनांक 03.11.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने लार्ज स्केल मैपिंग के लिए चल रहे कार्य को लेकर समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश की 1–1 इंच जमीन का हिसाब रखा जाएगा, जमीन के किस हिस्से पर तालाब है, किस हिस्से पर रास्ता या ढ़ांचागत निर्माण है

यह महज एक क्लिक से डिजिटली पता लगाया जा सकेगा। उन्होंने इस कार्य के लिए जारी लॉर्ज स्केल मैपिंग प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए सर्वे ऑफ इंडिया व राजस्व विभाग को निर्देश दिए।

अधिकारियों को निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि संबंधित विभाग लॉर्ज स्केल मैपिंग प्रोजेक्ट से जुड़े तकनीकी कार्यों को एक–एक गांव में क्रमवार पूरा करे ताकि किसी भी गांव में कोई कार्य लंबित न रहे। उन्होंने कहा कि लॉर्ज स्केल मैपिंग प्रोजेक्ट का

साप्ताहिक सूचना पत्र

कार्य पूरा हो जाने पर हरियाणा पूरे देश के लिए मिसाल बन जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लॉर्ज स्केल मैपिंग में गांव के बाहर की भी पूरी मैपिंग करवाई जाए। इसमें गांव से बाहर खेतों में बने मकान व अन्य ढांचागत निर्माण भी शामिल हों। उन्होंने सर्वे ऑफ इंडिया के अधिकारियो को भी निर्देश दिए कि वे कर्मचारियों की संख्या में इजाफा करके इस लॉर्ज स्केल मैपिंग के कार्य को जल्द से जल्द पूरा करें। बैठक के दौरान राजस्व व सर्वे ऑफ इंडिया की टीम ने मुख्यमंत्री जी को जानकारी दी कि जींद, करनाल और सोनीपत जिले के 8 अर्बन एरिया में भी लॉर्ज स्केल मैपिंग का कार्य पूरा हो चुका है। इसमें प्रॉपर्टी का एरिया, उसकी मैप पर लोकेशन व प्रॉपर्टी किसके नाम है, इसकी जानकारी भी आसानी से ली जा सकती है। यह कार्य पूरा होने पर मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को बधाई भी दी।

हरियाणा को मिला इंडिया एग्रोबिजनेस अवार्ड–2022

(दिनांक 03.11.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में आज हरियाणा के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई जब भारतीय कृषि एवं खाद्य परिषद द्वारा जारी इंडिया एग्रोबिजनेस अवार्ड – 2022 में हरियाणा को सर्वश्रेष्ठ राज्य की श्रेणी में पुरस्कार मिला।

मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर सभी किसानों को बधाई दी और कहा की यह उनकी मेहनत का ही परिणाम है। पिछले 8 वर्षों से कृषि, बागवानी क्रांति से नील क्रान्ति की ओर अग्रसर हरियाणा अब एग्रो बिजनेस में भी आगे बढ़ रहा है।

हरियाणा को यह पुरस्कार राज्य में कृषि अनुकूल नीतियों, कार्यक्रमों, उत्पादन, इनपुट, प्रौद्योगिकियों, विपणन, मूल्यवर्धन, बुनियादी ढांचे और निर्यात के क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान करने के लिए मिला है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जेपी दलाल जी 9 नवंबर को राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में हरियाणा की ओर से इस पुरस्कार को ग्रहण करेंगे। नीति आयोग के सदस्य प्रो रमेश चंद की अध्यक्षता में 15 सदस्यीय समिति ने कृषि और बागवानी के क्षेत्र में बेहतर तकनीकों, उन्नत विधियों का कार्यान्वयन करने के लिए हरियाणा को सर्वश्रेष्ठ राज्य के रूप में चुना है।

हरियाणा मुख्य रूप से कृषि प्रधान राज्य है। हरियाणा सरकार द्वारा कृषि और बागवानी के क्षेत्र में सुधार के मद्देनजर सिंचाई के लिए पानी का उचित उपयोग, कम पानी की खपत वाली फसलों का विविधीकरण और किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू करने सहित अनेक कदम उठाए गए हैं।

साप्ताहिक सूचना पत्र

मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में पिछले 8 सालों में हरियाणा सरकार निरंतर विविधीकरण के माध्यम से हरियाणा के किसानों के लाभ और आय को बढ़ाने की दिशा में प्रयास कर रही है।

हरियाणा सरकार एफपीओ के गठन और उन्हें सशक्त करने पर विशेष ध्यान दे रही है और अब तक राज्य में लगभग 700 एफपीओ का गठन किया गया है।

साप्ताहिक सूचना पत्र

गुरुग्राम में दो बड़ी परियोजनाएं जनता को समर्पित

(दिनांक 05.11.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने गुरुग्राम में लगभग 141 करोड़ रुप्ए की लागत से तैयार हुई दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं नामतः बसई चौक पर नवनिर्मित फलाईओवर तथा मुख्य बस अड्डे के पास बनाए गए महावीर चौक अंडरपास प्रदेशवासियों को समर्पित किया।

उन्होंने कहा कि 8 साल पहले गुरुग्राम को एक विकसित शहर बनाने की जो यात्रा शुरू हुई थी उसमें आज एक नया अध्याय जुड़ गया है। समर्पित की गई परियोजनाओं से लोगों को ट्रैफिक जाम से निजात मिलेगी।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में करवाए गए गुरूग्राम के विकास विकास के पथ पर जो आगे बढ़ रहा है आज दो बड़ी परियोजनाओं के लोकार्पण से गुरुग्राम विकास के

साप्ताहिक सूचना पत्र

मामले में दो कदम और आगे बढ़ गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पिछली सरकारों के समय पुराने गुरुग्राम शहर और नए गुरुग्राम में जो अंतर था, वर्तमान सरकार ने उस अंतर को पाटने का काम किया है। उन्होंने रोड़ इंफ्रास्ट्रक्चर और मैट्रो विस्तार की परियाजनाओं का भी उल्लेख किया और कहा कि हुडा सिटी सेंटर मैट्रो स्टेशन से गुरुग्राम का पूरा राउंड लेते हुए पालम विहार क्षेत्र को जोड़कर दिल्ली के द्वारका सेक्टर–21 तक मैट्रो लाईन बिछाने की परियोजना को मंजूरी मिल चुकी है। मुख्यमंत्री जी ने जीएमडीए के माध्यम से लागू की जा रही मुख्य परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरुग्राम में 650 बैड क्षमता का मल्टी स्पेशलिटी शीतला माता मैडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का निर्माण सेक्टर–102 में लगभग 542 करोड़ रूपए की लागत से प्रगति पर है। फरीदाबाद रोड़ से लेकर दिल्ली –जयपुर हाईवे तक सदर्न पैरिफेरियल रोड़ (एसपीआर) को सुदृढ़ किया जा रहा है और इस दूरी में 8 फलाईओवर बनेंगे, इस परियोजना पर लगभग 846 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

साप्ताहिक सूचना पत्र

मुख्यमंत्री जी ने की लोगों से वृक्षों के संरक्षण की अपील

(दिनांक 05.11.2022)

प्रभाव : पौधारोपण के साथ–साथ वृक्षों की सुरक्षा की ओर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इस कार्य को लेकर सभी को जागरूक होना होगा। जिस प्रकार से अपने परिवार और बच्चों की चिंता की जाती है। वैसे ही हम सभी को मिलकर वृक्षों की चिंता करनी होगी। तभी जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को खत्म किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री जी ने रोहतक के महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के राधाकृष्ण सभागार में आयोजित भारत में वन क्षेत्र से बाहर वृक्ष कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि अपने हाथों से लगाए हुए पेड़ जब बड़े हो जाते हैं। तब उनके पास जाकर बड़ा सुकून मिलता है। उन्होंने कहा कि दुनिया के विकास के चलते प्रकृति के साथ संतुलन बिगड़ा है। विकास मानव के लिए जरूरी है। लेकिन इसके साथ–साथ प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखना उससे भी ज्यादा जरूरी है। आज चिंता खत्म हो गई है और पेड़ों की कटाई के कारण जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम सामने आने लगे। भारत में वन क्षेत्र से बाहर वृक्ष नामक कार्यक्रम की शुरुआत आज हरियाणा से हुई है। इसके लिए यू एस ऐड फाउंडेशन सहयोग कर रही है। योजना के तहत

साप्ताहिक सूचना पत्र

वन्य क्षेत्रों के बाहर वृक्ष लगाने पर विशेष फोकस रहेगा।

उन्होंने कहा कि हरियाणा देश का छोटा सा प्रदेश है और यहां केवल 3.5 प्रतिशत वन क्षेत्र है। अगर वन क्षेत्र से बाहर वृक्षों की बात की जाए तो वह भी केवल 3.2 प्रतिशत ही है। कुल मिलाकर लगभग 6.7 प्रतिशत वन क्षेत्र माना जा सकता है और इस कार्यक्रम के तहत प्रदेश में 20 प्रतिशत क्षेत्र को वृक्ष लगाकर वनों के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वन विभाग द्वारा हर वर्ष प्रदेश में करोड़ों पौधे लगाए जाते हैं। लेकिन अगर कुछ माह बाद उनकी स्थिति जांची जाए तो लगभग 5 प्रतिशत पौधे ही विकसित हो पाते है। पेड़ लगाने के बाद उसकी रक्षा भी हमें ही करनी होगी। तभी पेड़ के विकसित होने के बाद उसका पूरा लाभ मनुष्य को मिल पाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से पौधों को बढ़ावा देने और पेड़ों के संरक्षण को लेकर कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। ऐसी ही एक कार्यक्रम पौधगिरी के नाम से शुरू किया गया था, जिसके तहत सरकारी स्कूलों में पढने़ वाले 22 लाख बच्चों को एक पौधा दिया जाता है और तीन साल उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी उसी बच्चे की होती है। इसके लिए उस बच्चे को हर साल 50 रूपए मिलते हैं। प्रदेश सरकार ने भारत में वन क्षेत्र के बाहर वृक्ष कार्यक्रम के तहत लगभग 28 लाख हेक्टेयर में पेड़ो को विकसित करने का बड़ा लक्ष्य रखा है।

साप्ताहिक सूचना पत्र

साप्ताहिक सूचना पत्र

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में द्वितीय दीक्षांत समारोह

(दिनांक 05.11.2022)

प्रभाव : पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में विश्व विद्यालय के कुलाधिपति एवं प्रदेश के महामहीम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय तथा मुख्यमंत्री जी ने स्वास्थ्य विज्ञान से जुड़े विभिन्न कोर्सों के विद्यार्थियों को डिग्रीयां प्रदान की व शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न पुरुस्कारों के स्वर्ण व रजत पदक विजेताओं को पदक पहनाकर सम्मानित भी किया। कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय जी ने स्वास्थ्य विज्ञान के विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि वर्तमान परिवेश में इंटरनेट का युग है। स्वास्थ्य विज्ञान के विद्यार्थी इंटरनेट से जुडक़र दुनिया में हो रहे नए अनुसंधान से स्वयं को अपडेट करते रहे तथा इस आधुनिक तकनीक से आम आदमी को बेहतर चिकित्सा सेवा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह में प्रदान किये गए 105 पदकों में से 85 पदक लड़कियों ने प्राप्त किये है, जो उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है। प्रदेश सरकार द्वारा लगभग 1392 करोड़ रुपये की राशि का बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए प्रावधान किया गया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सरकार द्वारा लगभग 16–17 हजार करोड़ रुपये की धनराशि चिकित्सा, शिक्षा व अनुसंधान इत्यादि पर खर्च की जाती है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में बायो इंजीनियरिंग व मेडिकल इंजीनियरिंग का संयुक्त कोर्स शीघ्र ही शुरू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में शीघ्र ही किडनी ट्रांसप्लांट का कार्य शुरू होगा। सरकार द्वारा यह सुनिश्चित किया जा

रहा है कि प्रत्येक जिला में एक मेडिकल कॉलेज अवश्य हो। वर्तमान में प्रदेश में 13 मेडिकल कॉलेज कार्यरत है तथा 11 मेडिकल कॉलेज का या तो निर्माण जारी है।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने सभी डॉक्टरों से समाज सेवा के उद्देश्य को सामने रखकर कार्य करने के लिए कहा।

उन्होंने कहा की कि आज जरूरत है की हम बीमार होने के बाद इलाज करने की जगह इस दिशा में बढ़े और कार्य करे की लोग बीमार ही न पड़े। हमें औषधि के साथ साथ स्वस्थ पर भी कार्य करना होगा।

साप्ताहिक सूचना पत्र

हरियाणवी लोक कला और संस्कृति पर बनी फिल्म दादा लखमी का प्रीमियर शो

(दिनांक 06.11.2022)

प्रभाव : माननीय मुख्यमंत्री जी ने करनाल में हरियाणवी लोक गायक दादा लखमीचंद जी पर बनी फिल्म "दादा लखमी" के प्रीमियर शो के आयोजन पर पहुंचकर मूवी देखी।

मूवी देखने के बाद माननीय मुख्यमंत्री जी ने फिल्म की पूरी टीम को बधाई दी और कहा कि यह फिल्म हरियाणवी लोक कला व संस्कृति को अपने में समेटे हुए है। फिल्म के निर्माता और निर्देशक ने इतने चौलेंजिंग विषय पर फिल्म बनाई, यह अपने आप में बेहद सराहनीय कदम है। इसके साथ–साथ स्टेट जीएसटी मुफ्त करवाने के लिए भी प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमें दादा लखमी के विचारों को अपने जीवन में उतारना चाहिए। इस फिल्म के कलाकारों ने दादा लखमी के विचारों को ऐतिहासिक तथ्यों के साथ प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस तरह की हरियाणवी फिल्मों को प्रमोट करने के लिए हरियाणा सरकार ने फिल्म पॉलिसी बनाई है।

जिसके अंतर्गत आर्थिक सहायता व अन्य मदद दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पंचकूला में फिल्म सिटी बनाई जा रही है, जो फिल्म बनाने वालों के लिए मददगार होगी। हरियाणा सरकार ने हरियाणवी कलाकारों व फिल्मों को

आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश में अनुकूल माहौल बनाया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इस तरह की फिल्मों पर निरंतर काम होना चाहिए, हालांकि बॉलीवुड में भी हरियाणवी बोली में फिल्में बन रही हैं लेकिन जब फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे हरियाणा के लोग इस तरह के विषयों पर फिल्म बनाते हैं तो ज्यादा उत्साहवर्धन होता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह हरियाणा व पूरे प्रदेशवासियो के लिए हर्ष व गर्व का विषय है कि दादा लखमी फिल्म को माननीय राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारष् से सर्वोत्तम हरियाणवी फिल्म के रूप में पुरस्कृत किया गया है।

ये हरियाणा की एक मात्रा फिल्म है जो आज तक के इतिहास में कांस फेस्टिवल में 2021 में ऑनलाइन प्रदर्शित की गई। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पंड़ित लखमी चंद हरियाणा और हरियाणवी की शान थे। सोनीपत जिले के गांव जाटी में उनका जन्म हुआ। छोटी उम्र में ही वह इतने प्रसिद्ध हो गए थे कि लोग 50–50 मील से बैलगाड़ी पर उनकी रागिनी सुनने और सांग देखने के लिए आया करते थे।

उनके द्वारा रचित रचनाओं को आज भी नए दौर के गायक नए–नए रूप में प्रस्तुत करते हैं। हरियाणा और हरियाणवी बोली के लिए दादा लखमी का योगदान अतुल्य है।